

# सामाजिक विज्ञान

(नागरिक शास्त्र)

अध्याय-7: हमारे आस पास के बाजार



आपने अपने आसपास बाजारों को जरूर देखा होगा जहां से हम अपने ही रोजमर्रा की वस्तुएं लेकर आते हैं जैसे साप्ताहिक बाजार बड़े-बड़े शॉपिंग कंप्लेक्स शॉपिंग मॉल पड़ोस की गुमटी इत्यादि हम इस अध्याय में समझने की कोशिश करेंगे कि यह वस्तुएं कहां से आती हैं।

## साप्ताहिक बाजार

- साप्ताहिक बाजार सप्ताह के किसी विशेष दिन पर आयोजित किए जाते हैं।
- साप्ताहिक बाजारों में कोई स्थायी दुकान नहीं है। व्यापारी एक विशेष स्थान पर अपनी दुकानें लगाते हैं और शाम को उन्हें बंद कर देते हैं। अगले दिन वे दूसरी जगह अपनी दुकानें लगा लेते हैं।
- बहुत से लोग साप्ताहिक बाजारों से चीजें खरीदना पसंद करते हैं क्योंकि उत्पाद कम कीमत पर उपलब्ध होते हैं। साप्ताहिक बाजारों में उत्पाद सस्ते दरों पर उपलब्ध हैं क्योंकि:
  - दुकानें स्थायी नहीं हैं और इसलिए व्यापारियों को सरकार को किराया, बिजली शुल्क या शुल्क का भुगतान नहीं करना पड़ता है।
  - परिवार के सदस्य दुकानों का प्रबंधन करते हैं। इसलिए, दुकान मालिकों को उत्पादों के निर्माण या बिक्री के लिए श्रमिकों को काम पर नहीं रखना पड़ता है।
  - साप्ताहिक बाजारों में कई दुकानें एक ही सामान बेचती हैं। इसलिए कीमतें प्रतिस्पर्धी हैं।



साप्ताहिक बाजार में व्यापारियों द्वारा अस्थायी दुकानें लगायी जाती हैं

- साप्ताहिक बाजारों का एक फायदा यह है कि कई उत्पाद जैसे सब्जियां, कपड़े, किराने का सामान आदि एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं।

- साप्ताहिक बाजार भी उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रकार के सामान उपलब्ध कराते हैं।
- यह बाजार सप्ताह में केवल एक निश्चित दिन लगता है इस साप्ताहिक बाजार में रोज खुलने वाली पक्की दुकानें नहीं होती व्यापारी दिन में दुकान लगाते हैं और शाम होने पर उन्हें समेट लेते हैं अगले दिन में अपनी दुकानें किसी और जगह पर लगाते हैं देशभर में ऐसी हजारों बाजार लगते हैं और लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरत है किसी से खरीदते हैं।

## मोहल्ले की दुकानें

इस प्रकार की दुकानें स्थाई होती हैं तथा हर मोहल्ले में उपलब्ध होती है हम यहां से सामान किसी भी दिन खरीद सकते हैं इन दुकानों के उदाहरण है दूध की डेरी की दुकान तेल मसाले की दुकान स्टेशनरी की दुकान मोहल्ले की दुकान के पास सड़क किनारे फुटपाथ पर सब्जियों के कुछ छोटे दुकानदार फल विक्रेता और कुछ गाड़ी मैकेनिक आदि भी होते हैं।



मोहल्ले की दुकानें

## मोहल्ले की दुकान के लाभ

- स्थाई होती है जिस कारण हम किसी भी दिन सामान खरीद सकते हैं
- इन दुकानों से हम आसानी से उधार ले सकते हैं

## शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और मॉल

- शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और मॉल आमतौर पर शहरी क्षेत्रों में स्थित होते हैं।
- एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में, एक इमारत के परिसर के भीतर कई दुकानें स्थित होती हैं।
- एक शॉपिंग मॉल में, एक अलग वातानुकूलित भवन के विभिन्न मंजिलों पर विभिन्न दुकानें स्थित हैं।
- शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और मॉल में कई महंगे ब्रांडेड और गैर ब्रांडेड उत्पाद उपलब्ध हैं।
- कई कंपनियां अपने उत्पादों को शहरी क्षेत्रों में शॉपिंग मॉल या कॉम्प्लेक्स में स्थित शोरूम के माध्यम से बेचती हैं।
- शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और मॉल से कुछ ही लोग सामान खरीद पाते हैं क्योंकि उत्पाद महंगे होते हैं।



एक मॉल के अंदर दुकानें और शोरूम

## बाजार की श्रृंखला

बहुत से लोग बाजारों में माल के उत्पादन, परिवहन और बिक्री की प्रक्रिया से जुड़े हुए हैं:

- जो लोग माल का उत्पादन करते हैं उन्हें उत्पादक के रूप में जाना जाता है।
- माल का उत्पादन करने के बाद, कई व्यापारी बड़ी मात्रा में उत्पादों की खरीद करते हैं। वे थोक व्यापारी कहलाते हैं।
- थोक व्यापारी तब खरीदे गए सामान को राज्य या देश के विभिन्न हिस्सों में ले जाते हैं।

- फिर वे एक फुटकर विक्रेता को माल बेचते हैं, जो अंत में इसे उपभोक्ताओं को बेचता है।
- हमें हर जगह बाजार मिलते हैं। कई चिकित्सा प्रतिनिधि दवा बेचने के लिए डॉक्टर के क्लीनिक जाते हैं। आज हमें उत्पाद खरीदने के लिए बाजार जाने की भी जरूरत नहीं है। हम घर बैठे विभिन्न उत्पादों को ऑनलाइन ऑर्डर कर सकते हैं। इसलिए, यह कहा जा सकता है कि खरीद और बिक्री अलग-अलग जगहों पर होती है।

वे लोग जो वस्तु के उत्पादन और वस्तु के उपभोक्ता के बीच में होते हैं उन्हें व्यापारी कहा जाता है पहले थोक व्यापारी बड़ी मात्रा में सामान खरीद लेते हैं इन्हें वह दूसरे व्यापारी को बेचते हैं यहां खरीदने वाले बेचने वाले दोनों प्रकार के व्यापारी होते हैं व्यापारियों की लंबी श्रृंखला का वह अंतिम व्यापारी जो वस्तु उपभोक्ता को भेजता है खुदरा या फुटकर व्यापारी कहलाता है।

हर शहर में थोक बाजार का एक क्षेत्र होता है यहां वस्तुएं पहले पहुंचती हैं और यहां से अन्य व्यापारियों तक पहुंचती हैं।

### बाजार और समानता

खरीदार और विक्रेता अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार उत्पाद खरीदते और बेचते हैं। जबकि एक छोटा व्यापारी साप्ताहिक बाजार में अपनी दुकान स्थापित कर सकता है, एक अमीर व्यापारी अपने उत्पादों को शॉपिंग कॉम्प्लेक्स या मॉल में बेच सकता है। एक साप्ताहिक बाजार में एक दुकानदार प्रतिस्पर्धा और उत्पादों की कम कीमतों के कारण कम कमाता है। लेकिन एक मॉल में उसके समकक्ष की अधिक कमाई होती है क्योंकि उत्पाद उच्च दरों पर बेचे जाते हैं। इस प्रकार, वे दोनों एक असमान राशि कमाते हैं।

इसी तरह, खरीदारों को भी अलग तरह से रखा जाता है। कुछ ही लोग महंगे ब्रांडेड उत्पादों को वहन करने में सक्षम हैं। ज्यादातर लोग या तो साप्ताहिक बाजारों से या आसपास की दुकानों से सामान खरीदते हैं।

## NCERT SOLUTIONS

## प्रश्न (पृष्ठ संख्या 91)

प्रश्न 1 एक फेरीवाला, किसी दुकानदार से कैसे भिन्न है ?

उत्तर – फेरी वाले के पास अपनी दुकान नहीं होती, वह इधर उधर साइकिल, रेहड़ी पर सामान बेचते हैं। जबकि दुकानदार की स्थायी दुकान होती है। फेरी वालों के पास बेचने के लिए थोड़ी बहुत वस्तुएं होती हैं लेकिन दुकानदार कई सारी चीज बेचता है।

प्रश्न 2 निम्न तालिका के आधार पर एक साप्ताहिक बाजार और एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की तुलना करते हुए उनका अंतर स्पष्ट कीजिए।

बाजार	बेची जाने वाली वस्तुओं के प्रकार	वस्तुओं का मूल्य	विक्रेता	ग्राहक
साप्ताहिक बाजार				
शॉपिंग कॉम्प्लेक्स				

उत्तर –

बाजार	बेची जाने वाली वस्तुओं के प्रकार	वस्तुओं का मूल्य	विक्रेता	ग्राहक
साप्ताहिक बाजार	कपड़े, घरेलू सामान, बर्तन	बाजार के अनुसार	साप्ताहिक बाजार के कर्मचारी	आम लोग
शॉपिंग कॉम्प्लेक्स	कपड़े, घरेलू सामान, बर्तन	ब्रांड के अनुसार	शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के कर्मचारी	धनी लोग

प्रश्न 3 स्पष्ट कीजिए कि बाजारों की श्रृंखला कैसे बनती है ? इससे किन उद्देश्यों की पूर्ति होती है।

उत्तर - बाजारों की श्रृंखला खुदरा तथा थोक व्यापारियों से मिलकर बनती है। सामानों का उत्पादन कारखानों, खेतों और घरों में होता है। लेकिन हम कारखानों और खेतों से सीधे सामान नहीं खरीदते हैं। चीजों का उत्पादन करने वाले भी हमें कम मात्रा में, जैसे- एक किलो या एक प्लास्टिक कप आदि बेचने में रुचि नहीं रखेंगे। वे लोग, जो वस्तु के उत्पादक और वस्तु के उपभोक्ता के बीच में होते हैं उन्हें व्यापारी कहा जाता है। पहले थोक व्यापारी बड़ी मात्रा या संख्या में सामान खरीद लेता है। जैसे- सब्जियों का थोक व्यापारी कुछ किलो सब्जी नहीं खरीदता है बल्कि वह बड़ी मात्रा में 25 से 100 किलो तक सब्जियां खरीद लेता है इन्हें वह दूसरे व्यापारियों को बेचता है। यहाँ खरीदने वाले और बेचने वाले दोनों व्यापारी होते हैं। हम इसे यहाँ दिए गए उदाहरणों से समझेंगे हर शहर में थोक बाजार का एक क्षेत्र होता है यहाँ वस्तुएँ पहले पहुँचती हैं और यहीं से वे अन्य व्यापारियों तक पहुँचती हैं। सड़क किनारों की दुकान का छोटा व्यापारी, जिसके बारे में आपने पहले पढ़ा था।

प्रश्न 4 सब लोगों को बाजार में किसी भी दुकान पर जाने का समान अधिकार है। क्या आपके विचार से महंगे उत्पादों की दुकानों के बारे में यह बात सत्य है। उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - सब लोगों को बाजार में किसी भी दुकान पर जाने का समान अधिकार है। वह किसी भी दुकान से सामान ले सकता है। जैसे कि कविता और सुजाता अंजल मॉल गई। उन्होंने वहाँ एक दुकान में महंगे कपड़े देखें। वहाँ कोई भी कपड़ा 3000 रूपए से कम नहीं था। उन्होंने देखा कि यह कीमत साप्ताहिक बाजारों की कीमत से पाँच गुना अधिक थी। इसलिए उन्होंने वहाँ कोई कपड़ा नहीं खरीदा और वे खाली हाथ घर वापस आ गयीं। साथ में सबको सामान लेने या ना लेने का भी अधिकार होता है।

प्रश्न 5 बाजार में जाए बिना भी खरीदना और बेचना हो सकता है। उदाहरण देकर इस कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - बाजार में जाए बिना भी खरीदना और बेचना हो सकता है क्योंकि आजकल पहले के मुकाबले बहुत सारी सुविधाएँ बढ़ गई हैं। जैसे:- हम इंटरनेट और मोबाइल के द्वारा घर पर कुछ मंगवा भी सकते हैं और बेच भी सकते हैं। इनकी वजह से किसी भी व्यक्ति को दुकान पर बैठने की भी जरूरत नहीं होती और आजकल तो किसी को दुकान लेने की भी जरूरत नहीं होती वो घर में ही फोन और इंटरनेट के माध्यम से सामान खरीद और बेच सकते हैं।